MR. SPEAKER : Yes.

SHRI C. M STEPHEN : For the time he has spoken in English.

MR. SPEAKER : Let us take up questions.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Medical assistance by Red Cross Society to Cyclone hit people

*509. SHRI SURENDRA BIKRAM:
SHRI K. MALLANNA :

Will the Minister of HELATH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) the details regarding the medical assistance provided by the Red Cross Society for the relief of the cyclone hit victims of Andhra Pradesh ;

(d) whether some foreign countries have also come forward to extend thier cooperation to help the cyclone hit people ; and

(e) if so, the details thereof ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राजनारायण) : (क) आन्ध्र प्रदेश के गुन्टूर और मछलीपट्टनम इलाकों में रेडक्रास के आठ डाक्टर चिकित्सा संबंधी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। भारतीय रेडक्रास मुख्यालय ने आन्ध्रप्रदेश को एक लाख रुपए के मूल्य की दवाइयों तथा अन्य चिकित्सीय सामग्री भिजवाई है। राज्य में तूफान पीड़ित लोगों के लिए एम्बुलैंस सेवायें भी चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त रेडक्रास ने प्रारम्भ के तौर पर लगभग एक हजार व्यक्तियों को, जो तूफान के कारण अपने अंग खो बैठे हैं, प्रति व्यक्ति अधिकतम पांच सौ रुपए कीमत के कृत्रिम अंग देने की पेशकश भी की है।

(ख) और (ग). जी, हां। रेडक्रास सोसाइटी ने यह बताया है कि फिनलैंड, फ्रांस, जर्मन संघीय गणराज्य, जर्मन जनवादी गणतन्त्र ; इंगलैंड, जापान, नीदरलैंड, नार्वे और पाकिस्तान की नौ रेडक्रास सोसाइटियों तथा नार्वे, जापान और इंगलैंड की सरकारों ने 2 करोड़ 37 लाख रुपए के मूल्य की सामग्री अंशदान के रूप में देने की घोषणा की है। इसमें से लगभग 19 लाख रुपए की सामग्री और गाड़ियां प्राप्त हो चुकी है। इन चीजों के अलावा अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बेल्जीयम, कनाडा, डेनमार्क, फिनलैंड ग्रेट ब्रिटेन, ईरान, जापान, लक्समबर्ग, मोनेको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नार्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विटजरलैंड और संयुक्त राज्य अमरीका इत्यादि की 18 राष्ट्रीय रेडक्रास सोसाइटियों तथा कनाडा, नीदरलैंड, स्वीडन और संयुक्त राज्य अमरीका की सरकारों ने अंशदान के रूप में एक करोड़ 81 लाख रुपए की नकद रकम देने की भी पेशकश की है। इस रकम में से 27 लाख 21 हजार रुपए प्राप्त हो चुके हैं।

श्री सुरेन्द्र विक्रम : अध्यक्ष जी जिस समय रेडक्रास की तरफ से बंगला देश को सहायता दी गई थी उस में बड़ा भारी घुटाला हुआ था। मैं, माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह जो सहायता विदेशों से रेडक्रास के माध्यम से आ रही है, इसका वितरण ठीक प्रकार से हो, सही आदमियों तक वस्तुयें पहुंच जायें, इस के लिए आप क्या व्यवस्था कर रहे हैं ?

श्री राज नारायण : वस्तुओं के बांटने की व्यवस्था इस समय जो दिल्ली को अधिसूचित भारतीय रेडक्रास सोसायटी है, केवल वही नहीं कर रही है, अपितु जो उस की शाखा आन्ध्र में या दूसरे राज्यों में है, वे भी इस व्यवस्था को कर रहे हैं। हम समझते हैं कि समुचित व्यवस्था हो रही है। इस के पूर्व हमारे विभाग के डा० बिस्ट ने वहां जा कर बहुत सी बातों को देखा है और ता० 26 को हमारे यहां के स्टेट मिनिस्टर

और एडीशनल सक्रेटरी श्री के० पी० सिंह आदि लोग वहां जा रहे हैं । वे वहां जा कर देखेंगे कि जो दवाइयां और कम्बल आदि वस्तुयें भेजी गई है उन का वितरण समुचित हो रहा है या नहीं । हमारी जितनी शक्ति और क्षमता है—हम यह जरूर देखेंगे कि ठीक लोगों को ठीक ढंग से सहायता उपलब्ध हो रही है या नहीं ।

श्री सुरेन्द्र विक्रम : मन्त्री जी ने बतलाया कि पूर्व तथा पश्चिम के अनेक देशों से दवाइयां, नकदी आदि वस्तुयें सहायता के रूप में प्राप्त हुई है । उन्होंने जिन देशों के नाम लिये, उन में चाइना का नाम नहीं बतलाया, क्या चाइना से कोई भी सहायता प्राप्त नहीं हुई है ?

दूसरा प्रश्न—उन्होंने बतलाया है कि 500 रुपए में कृत्रिम अंग लगाये जायेंगे । मैं समझता हूं कि बहुत से ऐसे लोग भी होंगे जो 500 रुपए नहीं दे सकेंगे—क्या सरकार ऐसे लोगों के लिए 500 रुपया स्वयं दे कर कम्पलेट करेगी ?

श्री राज नारायण : एक विषय की जानकारी सम्मानित सदस्य को होनी चाहिए कि जो प्राकृतिक विपदा आती है, इस से जो नुकसान होता है, इस की मुख्य जिम्मेदारी कृषि मंत्रालय की है । अब चाइना ने कृषि मंत्रालय को कोई चीज भेजी है या नहीं, मझे मालूम नहीं है । स्वास्थ्य मंत्रालय को जिन-जिन विदेशी सरकारों ने सहायता दी है या क्या-क्या सहायता देने की उन्होंने घोषणा की है, वह मैंने आप के समक्ष निवेदन कर दिया है । चाइना ने दिया है या नहीं दिया है—इस सम्बन्ध में मैं कुछ नहीं कह सकता हूं ।

श्री सुरेन्द्र विक्रम : मेरे प्रश्न के दूसरे भाग का आप ने उत्तर नहीं दिया । 500 रुपए में कृत्रिम अंग लगाने की जो बात है, बहुत से गरीब आदमी उस को नहीं दे पायेंगे—क्या सरकार उस को कम्पलेट करवायेगी?

श्री राज नारायण : 500 रुपए में कृत्रिम अंग नहीं बनेगा तो हमारी कोशिश जरूर होगी कि हम उस को कम्पलेट करें । हमारा विभाग नहीं कर सकेगा तो दूसरे विभाग से कराने की कोशिश करेंगे कि उस का जो अंगभंग हुआ है, समुचित रूप से उस की उस भंगिमा को हटा दें ।

श्रीमती मृणाल गोरे : अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि आन्ध्र की जो शाखा है उस के द्वारा वितरण हो रहा है—यह बात ठीक है । लेकिन जब अखिल भारतीय रेडक्रास सोसायटी के बारे में सब लोगों के मन में संशय है और पिछले 6–9 महीनों से हम लोग लगातार पूछ रहे हैं और हमें यहां सदन में कहा भी गया था कि आप इस के ऊपर एन्कवायरी नियुक्त करेंगे—क्या यह बात सही है कि न तो हैल्थ मिनिस्ट्री ने कोई एन्कवायरी नियुक्त की है और नाही प्राइम मिनिस्टर की ओर से कोई एन्कवायरी हुई है, बल्कि जो उस की मैनेजिंग-बाडी है, उस पर हमारा शक है, जिस के विरुद्ध आरोप लगाये गये थे, उसी मैनेजिंग बाडी ने एन्कवायरी नियुक्त की है । मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहती हूं—क्या यह सही कार्यवाही है कि जिस के विरुद्ध करप्शन और घूमखोरी के आरोप लगाये गये हों, वही इन्कवायरी इंस्टीच्यूट करे ?

श्री राज नारायण : श्रीमन्, सम्मानित सदस्या का कथन सत्य है ।

श्रीमती मृणाल गोरे : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का पूरा जवाब नहीं आया : जिन के ऊपर आरोप है, वे ही एन्कवायरी इंस्टीच्यूट करें—तो क्या एन्कवायरी इंस्टीच्यूट कराने का सरकार का यही तरीका है ? सरकार इण्डिपैन्डैन्ट एन्कवायरी क्यों नहीं कराती ? मंत्री महोदय ने कहा कि खुद एन्कवायरी करेंगे—उस का क्या हुआ ?

श्री राज नारायण : मैंने सदन में जो आश्वासन दिया है, उस के प्रति मैं सजग और सुचेत हूं । रेड क्रास सोसायटी की मनेजिंग बाडी ने श्री सुबिमल दत्त को, जो फार्मर फारन सेक्रटरी और फार्मर सेंट्रल विजिलेंस कमिश्नर हैं कहा है कि वह इस बारे में प्रिलिमिनरी एनक्वायरी कर लें । **(व्यवधान)** एक रसपांसिबल आदमी को यह काम दिया गया है कि वह ईमानदारी के साथ हीटेन्ज में जा कर पूरी एनक्वायरी करें । और उस के बाद भी इस बात की गुंजाइश रहती है कि और कोई एनक्वायरी करना जरूरी है, तो माननीय सदस्या यहां हैं, सदन यहां है और हम लोग भी यहां हैं, फिर एनक्वायरी हो जायेगी । इस में परेशानी की क्या बात है ?

श्रीमती मृणाल गोरे : मेरा सवाल यह है कि जिन पर आरोप है, क्या वही एनक्वायरी करायेंगे । श्री सुबिमल दत्त कैसे आदमी हैं, उस से मुझ कोई मतलब नहीं है । सवाल यह है कि जिन पर आरोप है, क्या वही एनक्वायरी नियुक्त करेंगे । यह क्या तरीका है ?

MR. SPEAKER : She says that there are certain allegations against certain of the members.

श्री राज नारायण : माननीय सदस्या की एंग्जायटी, उन का कौतूहल, बिल्कुल उचित है और बजा है । एंग्जायटी के लिए हिन्दी में साहित्यिक शब्द कौतूहल होता है । **(व्यवधान)**

MR. SPEAKER : Her question is very simple. She wants to know whether you are holding an enquiry.

SHRI RAJ NARAIN : The question is not very simple ; and the answer is also not very simple. The question is complicated ; the answer is also complicated.

रेड क्रास सोसायटी की सारी फाइलों को देखने और सब बातों को सुनने समझने के बाद मैनेजिंग बाडी ने यह रिक्वस्ट की कि दत्त कमेटी से एनक्वायरी करा ली जाये ।

SHRI K. VIJAYA BHASKARA REDDY : I come from that area. There are a number of countries coming directly to provide aid. The aid is not going to the deserving ones. It must be coordinated. Will the Minister ensure that the whole aid is given to people through the State Government which is handling it in a coordinated way ?

श्री राज नारायण : श्रीमान्,

"सीता कर अति विपति विशाला ।
बिनहीं कहे भलि दौन दयाला ।।'

आन्ध्र प्रदेश में स्टेट गवर्नमेंट ने इस नेचरल कैलेमिटी के साथ जिस ढंग से व्यवहार किया है, उस के बारे में मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है । सारा देश इस बात को जानता है कि स्टेट गवर्नमेंट ने इस स्थिति से निपटने के लिए ठीक ढंग से काम नहीं किया है ।

. . . . **(व्यवधान)** . . . .

श्री जगदेव सिंह : सत्य से ये इनकार क्यों करते हैं । आन्ध्र प्रदेश की सरकार ने इस विपत्ति से निपटने के लिए वैसी कार्यवाही नहीं की जो उसे करनी चाहिए थी । **(व्यवधान)**

SHRI K. LAKKAPPA : Sir, the Minister must be called to order. He must be relevant. He cannot make aspersions against the State Government.. *(interruptions)*.

MR. SPEAKER : Order, order. I am on my legs. You cannot shout. The question of controlling the House is not in the hands of any one of you. It is in my hands.... *(interruptions)*. Do not record.

SOME HON. MEMBERS : ***

Mr. SPEAKER : Mr. Minister, the question that is put to you is this : are you going to channel this through the State Government ? Do not get into other controversies, whether the State Government is misusing it or not. Kindly answer the question.

श्री राज नारायण : श्रीमन् यह जानकारी मैं आप के द्वारा सम्मानित सदन को देना चाहता हूं कि जो मैटिरयोलाजीकल डिपार्टमेंट है, उसमें तूफान आ रहा है, इस की सूचना बहुत पहले दे दी थी । . . **(व्यवधान)** . .

***Not recorded.

MR. SPEAKER : A direct question. Why don't you answer ? (*Interruptions*).

Kindly help the House.

SHRI RAJ NARAIN : Even now do you say that I am not helping the House ?

MR. SPEAKER : Their question is are you willing to channelise the aid through the State Government ?

SHRI RAJ NARAIN : Why not ?

MR. SPEAKER : Please answer that.

श्री राज नारायण : मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि जितनी उत्सुकता हमारे सम्मानित सदस्य इस सदन में दिखा रहे हैं, और वे आंध्रप्रदेश के विपत्तिग्रस्त लोगों के लिए (**व्यवधान**) .... स्टेट गवर्नमेंट के द्वारा जो मदद मांगी गई और अब तक जो मदद स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को दी (**व्यवधान**) .... रजिस्ट्रार आफ सोसायटीज हमारे कंट्रोल में नहीं है (**व्यवधान**), उसने क्या मदद दी, वहां की गवर्नमेंट ने क्या मांगा यह हम कैसे बता सकते हैं (**व्यवधान**)

MR. SPEAKER : Do not record anything.

SOME HON. MEMBERS : **

जिलाई और बोकारो इस्पात संयंत्रों के विस्तार के लिए मशीनरी का अप्रयुक्त पड़े रहना

*510. **श्री भानु कुमार शास्त्री** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भिलाई और बोकारो इस्पात संयंत्रों के विस्तार कार्य के प्रयोजनार्थ करोड़ों रुपये के मूल्य की मशीनरी तथा अन्य सामग्री यार्ड में अप्रयुक्त पड़ी हुई है ; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इस गलत आयोजना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK) : (a) A total of about 30,000 tonnes of equipment has been received at site at Bokaro and is awaiting erection. In the case of Bhilai the total tonnage of such material is about 16,000 tonnes.

(b) While undertaking execution of large projects, procurement of equipment and material has to be arranged keeping in view several factors, like the load time required for procurement time needed for further processing, the construction and commissioning schedule etc. In such procurement, especially in the case of big projects like Bokaro and Bhilai, it sometimes becomes necessary to obtain and keep in storage some of the materials so as to ensure that it is readily available and there is no hold up in the construction work.

श्री भानु कुमार शास्त्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्न पूछने से पहले, माननीय मंत्री महोदय से मैं एक निवेदन करना चाहूंगा और यह जानना चाहूंगा कि आपका मंत्रालय संसद् से और इस हाऊस से तथ्यों को छिपाने की बात क्यों कर रहा है ? जो बात पूछी नहीं जा रही है, उसका उत्तर आप दे रहे हैं, जो बात पूछा जा रहा है उसका उत्तर आप नहीं दे रहे हैं।

SHRI BIJU PATNAIK : He has accused that I have not answered the question. I have specifically answered the question. Part (a) of the question is :

> "whether machinery and other material worth crores of rupees intended for the expansion work of Bhilai and Bokaro Steel Plants are lying unused in the yard."

I have said 30,000 tonnes are lying at Bokaro and 16,000 tonnes at Bhilai.

Part (b) of the question is :

> "if so, the reasons therefor and action being taken against the persons responsible for wrong planning."

I have given the reason.

I am sorry that the hon. Member should say that I have not answered the question.

श्री भानु कुमार शास्त्री : मैंने पूछा है कि कितनी मशीनरी अप्रयुक्त पड़ी हुई है और

**Not recorded.